ICAR-NBSS&LUP Celebrated 48th Foundation Day on 23rd August 2024

TheHitavada
Nagpur City Line | 2024-08-24 | Page- 8
ehitavada.com

ICAR-NBSS & LUP celebrates Foundation Day

Guests lighting the traditional lamp to mark opening of the event.

THE ICAR-National Bureau of Soil survey and Land Use Planning celebrated its 48th Foundation Day on Friday. The Foundation Day ceremony started with ICAR song and lighting of the traditional lamp by all the dignitaries.

Dr NG Patil, Director, ICAR-NBSS & LUP, welcomed the guests and presented bureau's past year's salient research achievements with few new accomplishments.

The chief guest of the Function – Dr S K Chaudhari, Deputy Director General (NRM) congratulated all the auspicious day. He emphasised on developing agro-ecological regions and sub-regions of India which is very important for policy support and prioritising the research for every institute of the ICAR.

Dr CD Mayee, Former Chairman ASRB and guest of honour of the function, conveyed that this is one of the unique institutions in the country for soil repository and emphasised that there are all types of bureau whether on plant variety, insects, fishes, micro-organism and told the importance of opening a Bureau on Soil. Dr AN Vaidya, Director, CSIR-NEERI, Nagpur and guest of honour emphasised over the importance of NBSS & LUP for environmental research and remediate that soil quality and soil data with NEERI database require need based research and parameters like soil depth. Others indicating the health of environment and climatic resilient agriculture and appreciated the contribution of bureau in soil quality analysis. Dr RK Yadav, ICAR-CSSRI, Karnal, appreciated the efforts of the bureau for helping in delineating and development of salt affected soils of India. He appreciated the research work being done by the bureau and developing maps for the help of farming community. Dr YG Prasad, Director and Special Invitee exchanged his views in identification of high density planting of cotton areas in collaboration with the bureau. Dr DK Ghosh, Director, ICAR-CCRI, Nagpur and Special Invitee in his remark extended his co-ordination in collaborating with the bureau in land use planning of citrus and mandarin and their suitability.

Bureau also conferred the young scientists awards to the scientists and awarded the technical, administration and supporting staff members.

The publications of the Bureau such as Crop Requirements for Land Suitability Evaluation; Soil Depth Map of Central India; Groundwater Quality Map of Maharashtra; Land Resource Inventory (LRI) and Land Use Plan (LUP) of South Gujarat Region for Sustainable Agriculture; Prospective Land Resource Management for Kachchh, Gujarat; Land Resource Inventory Hydrological Inventory of Somenahalli Sub-watershed, Shidlaghatta Taluk and Chikkaballapur district of Karnataka for Watershed Planning and Development to Prevent Drought; and Cinchona Growing Soils of Eastern Himalayas: Their Characteristics and Managements and LRI of Jujomura-1 Sub-Watershed Cluster, Sambalpur District of Odisha, were released on the occasion. All the Heads of the Regional Centres and Divisions co-ordinated the programme Dr PP Adhikary, Principal Scientist placed a vote of thanks. Total 200 participants attended the function.

Powered by iDocuments

दूसरी हरित क्रांति मिट्टी पर आधारित होगी : डा. मेयी

भास्कर संवाददाता, नागपुर। आईसीएआर-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो मृदा भंडार के लिए देश में अद्वितीय संस्थानों में से एक है। हरित क्रांति के बाद जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित घटक यानी मिट्टी को ध्यान में रखते हुए इस बात पर जोर दिया कि दूसरी हरित क्रांति मिट्टी पर आधारित होगी। यह बात एएसआरबी के पूर्व अध्यक्ष डॉ सीडी मेयी ने कही। आईसीएआर-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो का 48वां स्थापना दिवस शुक्रवार को अमरावती रोड स्थित कार्यालय में मनाया गया। इस अवसर पर बतौर अतिथि डा. मेयी बोल रहे थे। आईसीएआर-एनबीएसएस एंड एलयूपी के निदेशक डॉ. एन जी पाटील ने अतिथियों का स्वागत किया और कुछ नई उपलब्धियों के साथ ब्यूरो की पिछले वर्ष की प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉ एसके चौधरी उप महानिदेशक (एनआरएम) ने भारत के कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों को विकसित करने पर जोर दिया, जो आईसीएआर के प्रत्येक संस्थान के लिए नीति समर्थन और अनुसंधान को प्राथमिकता देने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। डॉ. एएन वैद्य, निदेशक, सीएसआईआर-एनईईआरआईए नागपुर ने पर्यावरण अनुसंधान के लिए एनबीएसएस और एलयूपी के महत्व पर जोर दिया। डॉ. आरके यादव, आईसीएआर-सीएसएसआरआईए करनाल, निदेशक और विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ. वाईजी प्रसाद तथा आईसीएआर-सीसीआरआईए नागपुर के निदेशक और विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ. डीके घोष ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पीपी अधिकारी ने आभार माना।

नागपुर मेट्रो समाचार | व्यापार-व्यवसाय

आईसीएआर-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण ने 48वां स्थापना दिवस मनाया

नागपुर. आईसीएआर -राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो ने 23 अगस्त को 48वां स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत आईसीएआर गीत और सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। आईसीएआर-एनबीएसएस एंड एलयूपी के निदेशक डॉ. एनजी पाटिल ने सभी मेहमानों का स्वागत किया और कुछ नई उपलब्धियों के साथ ब्यूरो की पिछले वर्ष की प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। समारोह के मुख्य अतिथि - डॉ. एस.के. चौधरी उप महानिदेशक (एनआरएम) ने ब्यूरो के 48वें स्थापना दिवस पर सभी को बधाई दी। उन्होंने भारत के कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों को विकसित करने पर जोर दिया, जो ब्यूरो के प्रकाशन जैसे भूमि उपयुक्तता मूल्यांकन के लिए फसल आवश्यकताएं; मध्य भारत का मृदा गहराई मानचित्र; महाराष्ट्र का भूजल गुणवत्ता मानचित्र; सतत कृषि के लिए दक्षिण गुजरात क्षेत्र की भूमि संसाधन सूची (एलआरआई) और भूमि उपयोग योजना (एलयूपी); कच्छ, गुजरात के लिए संभावित भूमि संसाधन प्रबंधन; सूखे को रोकने के लिए वाटरशेड योजना और विकास के लिए कर्नाटक के सोमेनाहल्ली उप-वाटरशेड, शिडलघट्टा तालुक और चिक्कबल्लापुर जिले की भूमि संसाधन सूची हाइड्रोलॉजिकल इन्वेंटरी; और पूर्वी हिमालय की सिनकोना बढ़ती मिट्टी; उनकी विशेषताएं और प्रबंधन और ओडिशा के संबलपुर जिले के जुजोमुरा-1 उप-वाटरशेड क्लस्टर की एलआरआई इस अवसर पर जारी की गई। सभी क्षेत्रीय केंद्रों और प्रभागों के प्रमुखों ने कार्यक्रम का समन्वय किया, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पीपी अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। समारोह में कुल 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।